



三

४२८ वि. सिंहला

22/02/2023

वार्षिक एवं मात्रात् इतिवेदः

ଏଇଚ୍, ଡି, ପି ର୍ହସ୍ତୁଟିଆର ଦିତିନ୍ଦୁ ଏମାରା ଗ୍ର ଏତାରୀ ବାଦପାତ୍ର ଓ ହିନ୍ଦୁକାଳେ ଦିଲ୍ଲୀ ଭାଷାରେ  
ବାକେଶ୍ୱାର ଜନାବ ଉଦ୍‌ଦୋଷ କାବ୍ୟର ଅଭାଗତିଙ୍କୁ ନାହାର କାହିଁ କୁଣ୍ଡ ହୁଏ । ଅଭାଗ ମିମୁଲିରିତ ମିମାନ୍ସା ହୁଏ ।

ପେ, କ୍ରୟ ସୈନକିମ ରାୟ-ରାୟ ସତ୍ତତେ ହିମାର ଛାତ୍ର ଏକିମ ଏବେ ଦେଖାନିର ଲିପି ଗାଁରେ  
ହୁଏ । ବିହିମେହତାରେ ଅନୁଯୋଦନେର ଜାତି ନଗେତି କେବେ ମଧ୍ୟ ବାହୁ ଦ୍ୱାରା ହୁଏ ।

पानि देउपुन लोर्ड बरीन रॉयल राजः

ଲିଖିବୁ କୋରାର ଅନେକମୁଁ ହାତିଛି ଏବଂ ନିମ୍ନଲିଖିତ

কলারা	কলকাতা পরিষদ (কেএলপি)	কলকাতা মুখ্যমন্ত্রী	কলকাতা পরিষদ	কলকাতা মুখ্যমন্ত্রী
বাবুনী	৮,১২,৩০০	১	২০-১২-২০	১০০ জন
গুণোৎসর্গাও	৮,৫৩,১৭৬	১	২০-১২-২৯	১০০ জন
মিট্টাই	৬১,৭০০	১	-	-
<hr/>				
	৮,৮৫,১৭৬			

मित्रार्दिश विभाग का साथ पानि डेन्युर रोड बैरह उचिते मेंत्रा हथनि रखे और उनके बीच रखनि ।  
१४/१२/३० दिने तक बीच रखे । बाँधेव राज्य विद्युतिक बोर्डले लैनिस वित्तोदिश आमिर  
हिमाचल उपाय नवाज खाने बड़हड रिपोर्ट न लगाते रखिए लाइजेन्सिङ नामे वर वाई विद्युति  
एवं उपायी नवायह दिन उत्तर निक्षे उठे ।

स्वेच्छा नवयुगीनों के लिए अतिमहत्वात्मक है।

रॉटर आव्हान रिपोर्ट द्वा अंकित करने वाले थे कि डेमोक्रेटिक हूडी शाही नियमों का अनुसार भर्तुलु जो बाई औ श्रेष्ठ रिपब्लिकन थे। जो एक रिपब्लिकन ने इन विविध रॉटर्स में सभी भाग्यवहाँ रखा रखने वाला नियमानुसार था।

দৈবিক ধৰণ ও সক্তিয় আন্দাপ

१५८४ द्वारा अपनी अधिकारीय शक्ति के लिए ब्रह्मा ने अपनी अधिकारीय शक्ति को दिया।

२८५

रुपेश्विरलालाड माटो नै खेति छाउ रोह रताड चिकामु अपु । १५ रुपेश्विरलालाड यादीय  
उथा पान/पि, ७, रुपेश्विरलालाड रुपेश्विरलालाड ८४८ लम्बाहुल राजा लालाड  
चिकामु अपु ।

ପ୍ରମାଣ ପରିଚାଳନା ସମୟ ମଧ୍ୟରେ :

पार्श्वी धरातल पुराव स४वा ८२, बहुव लोन धार एवं पहिला प्रगति च जागति दाढ़िये वा।  
पुरुष प्रगति व अमरा सदभा राहुदे । बुराहर्षो ए शाव स४वा ५०, अपाउड़ि शुभ भरवा  
दाढ़िये वा । प्रगति ७ सदभा राहुदे । बालाड्डि शाव स४वा ०७, श्वे प्रगति, अमरा  
दाढ़िये । दिवाई खलाहर्ष शाव स४वा २१, द्वाव जांड ८१ डि वर्ष ८ सन्-१९ अमरा स४वा  
राहुदे । निकाटु यु ये नविला प्रगति ३ सदभा कर्याते बुद्धि स४गति व अमरा दाढ़िये इति

३८ वर्षभूती । यह ४५६१ लम्बाद्वि चिलेष्ट्रु घास-वर्गस्तु योग्ये । ये रिकॉर्ड एक्सिस अ०२८७५०० टो  
८८८ लम्बा है इयस्ते १२०४४० टोला, ओडार्डिल्ड लोर एडृप्पिसार ६८ टोला । ये रिकॉर्ड वर्तमान  
वाहन लोडवाह उद्यात्र शिकायत शुग । यहापूर्व विषुविषित जोल्डि लक्षण तिकिं व्यक्त नहू ।

ପରାମାଣ୍ଡ ବାବୁ । ୧୯୫୩ ମସିହା ଜାନ୍ମତୀରେ । ୧୯୫୦ ମସିହା ଡିୟୁମ୍ବର ୧୯୫୦୧୯୫୧

କୋଡ଼ି ନଦମାରେ ମୁଖ୍ୟ ବିଦେଶୀ ଏଥି ନଦମା ପରିଷ୍ଠାରେ ମୁଖ୍ୟ ବିଦେଶୀ

ପୁରୋହିତ	୩୫୬୫	୨୨୯	୫୧୧୨୬୭	୫୦୦	୨୩୩	୧୦୦୦୦୦
ଶାକଚକ	୦୭୬୦	୮୨୦	୬୭୬୨୪୧	୦୦୦	୧୫୦	୧୦୦୦୦୦
ପାତ୍ରଲୀ	୪୫୫୬	୮୨୯	୫୦୧୬୦୬	୫୦୦	୨୦୦	୧୦୦୦୦୦
ଦିଗ୍ବାହି	୧୪୦୧	୧୧୦	୨୫୮୧୭	୮୦୦	୧୦୦	୫୦୦୦୦୦
ମୋଟ		୨୭୯	୧୭୮୫୧୫୧	୨୫୦୦	୧୬୮	୬୦୦୦୦୦

कुक निर्वाचन उम्मीद लेण्ड एवं बैठक मुण्डें तादे डेक्कन इडाय निकास थे । फिर ११७६-७७  
समय में दो दर वर्षायाँ इस बीत तो भृत्यूक राजा दावाड़ निर्वाचित हुए वर्षायाँ निर्वाची  
वर्षितान्वयेत् राज्यदेश सदृशाम् इडाय निकास थे ।

द्य भर मर्दानामध्ये अकाली पंचिराजान्धुरि विसार्वे ग्राहे डा. गार्डन येणे संगोळेत्र नांदे इमाले  
परादिटेक्ट द्यावुल्लेह शिक्षावृ शये । पंचिराजान्धुरि भवत विसार विहान पुरावानुप्रवेशुणे वडे डाउ  
वडो लिङ्के गार्डन येणे पुराव लार्पन्धु इष्ठा दिते एवे ।

ଗାଁଦି ୧୨ ପାତର କର୍ମସୂଚୀ :

गद्दू चालन रानुची नह एलाराय वटे । खोलहि ओ॒ गद्दू तर राँझूचीभूसात ति गरे एलाला प्रदेश्यात निकासु इ । वार्ड हौंस दुड्गी चालन रानी ए रानी छेवि उत्तरि निकासु इ । तितिडि वार्ड खाडीमध्य बुड्डा औनुल झाडेल बाँसपुऱ्गी चालन राजात निकासु इ । नाम उदाहार्य हौंस चालन रानुची छलारे ।

## ० कलारति गांधीजी के सर्वोच्च चित्रकृति :

कलारति वा	पुस्तक	शिल्पी	दोषे	उत्तमता	पानि अनुरूप (लेखा)
पुरियाड्डांग	१०	१	११	०	१०२
पाँडी	५	०	६	८	२००
कालाड्डांग	१	५	८	२	२६०
दिल्ली	०	०	८	१	८०

प्रतीक्षा १) इस गांधीजी का शब्द मेहरा छोड़े गए । २) रामायण के एवं राजस्थानी निकामु इन् । ३) उत्तिष्ठते भावपरि छोरिः एविलं पि,७ लोकेऽक्षेष्ट् । ४) रहूर एवं द्वारावाहि निकामु इन् ।

## वासा प्रबुद्ध अवलम्बन :

गांधीजी गांधीजी के अवलम्बन मेहरा निकामु इन् । एठो लोक उत्तिष्ठतामें वासा वारे

## पारमहंसी :

## गांधीजी उत्तर तुलसी रामायण अवलम्बन :

कलारति वा	पुस्तक	छालटू विदित	उत्तर तुलसी मेहरा निकामु इन् । एठो लोक उत्तिष्ठतामें वासा वारे	प्रतीक्षा
पुरियाड्डांग	८१७	२५०५८	१११५८	०८८५८
पाँडी	११७	२०००	१७५०	०८४०
कालाड्डांग	४१०	१५००	१९२०	०८००
दिल्ली	००	१०००	१५६८	१९६०

इस अवलम्बन मेहरा निकामु इन् । गुडाम वासावी नील लोमुद्द तीलानीव वासावी निकामु इन् । वराह दीद नरेन्द्र लोक वन्दाव देहा इन्दे जा ।

## दिल्लिर्दि राई :

मिहारे राई वा ७३ श्लोकों में दिल्लिर्दि राई राई लासे पर्विर्द्दर राई निकामु इन् । उत्तर वारद्द लासद्वयद्वय रामुनार्पित राई परमुद्दो वलारा रावक्षावह राईवह । ७२४७ राई पर्विर्द्दर इत्तदा । राईधार्दीलेव निकामु उत्तिष्ठ दिल्लि राई उ छोरा पालन रामुद्दित इत्तदा ।

## सारदाचित्र लिखा :

तुमि एतता इते ५० वर्ष पूर्व ६६० वर्ष पुरिता भवे अनिता चिरोऽन रहे शार्क्रद्व १८  
मग्नाद्व द्वेष अनिदं लिङ्गे रुपा मिळे रहे । तुमि एतता पुरिता २३ वर्ष रात्राज्ञि  
निपाह देख उन्नद । दूरज अकुरुक्ता दृष्टि पूर्व नाठे अस्त्राला रहे । ए वर पिूर्व अष्टम द्वेष  
नाम्युपि डालेहरुल घोविरुद्य राठाले रहे ।

## ଉତ୍ସବମୁଦ୍ରାନ୍ତି ପ୍ରାୟକି ମିଳା

पिंडारे १०८ि, बार्तूनी, नामायचड्ड एवं ४ सुखेगांव वर्गाव ५३ि रुद्रे गोटे ५३ि नून वालानी  
अड्डाज वास वाले चूँह इवे । ए रामायण विष्णु विनिर वामसंबुद्ध व १६३३३ वार्त लेले ५४३३३  
भर्तुलाटे चूँहे १६३३३ वाहारे ०५३ि, नूनेहु मुळे विचालन्दु अठिर वार्त चूँह वार्तावे एकाता  
विचालन्दु ग ।

મહોદુ ભાવાચિત્ર અઠા ૬

ਪਾਂਧੀ ਆਨੁਸਥਿਰ ਮਡਾ ਬਦਾਰੇ ਸਿਰਖਿਤ ਰੜਠ ਹਨ । ਕਾਨੁਸਥ ਪਿਛੀ ਵੀਂ ਪੰਜਾਬ ਪੱਤਾਲੁੜ ਦਾ ਨਿਵੇਦਿਤ ਹੈ ਤੁਸ਼ਟ ਗੁਣ ਪਿਛੇ ਵਿਖੋਤੇ ਰੜਠ ਹਨ ।

二四

পি.ট'র বাস

ଟି.ଓ ମୁଖ୍ୟ - ୧୨

三

३५

विभाग अधिकारी श्री पि.० एवं श्री, अस वडे राज निर्वाचन, बासापु नक्ष ईलामि गांव  
शालिष्ठ इला। गठिया निर्वाचन/परिवार नामको नम्बरमा विभाग निर्वाचन बारेति इला क

४८

युग्मोत्तरी एवं युग्मायु विषे एवं शास्त्र दिल्लाहे एवाला रक्ते रक्तेभ्य वि. उ दमती त. न. मिकारु एवं  
या उला वार्ड इले गर्वित्व रहे। युग्मोत्तरी एवं दिल्लाहे एवाला रक्ते रक्तेभ्य विषार एवं उली  
तितित विद्युत्प्रेर मिकारु रहे।

সতীয় বার লিখে দিকু অলাখ রা খণ্ডু মতা পতি ধারে ধর্মাদ নিয়ে নেওয়া মত  
নাহি বোকো হয়ে ।